

साहित पुं. (तद्.) सहित होने का भाव, एक साथ होने का भाव, साहित्य।

साहित्य पुं. (तत्.) 1. सहित या साथ होने का भाव 2. काव्य शास्त्र (काव्य के गुण, दोष, प्रभेद, सौंदर्य, आदि) 3. गद्य व पद्य संबंधी सभी रचनाएँ 4. किसी देश या कालगत सामाजिक-मूल्यों, परिस्थितियों, विचारों, मार्मिक भावों को व्यक्त करने वाली रसात्मक व व्यंजनात्मक रचनाएँ 5. किसी विशेष विषय के प्रतिपादक ग्रंथों का समूह। 6. शास्त्र व काव्य।

साहित्यकार पुं (तत्.) 1. साहित्य की रचना करने वाला, ग्रंथकार 2. ललित साहित्य (काव्य, नाटक, निबंध, व अनुभूति परक रचनाएँ) का रचयिता।

साहित्यबोध पुं. (तत्.) साहित्यिक तथ्यों या विषयों का ज्ञान।

साहित्यशास्त्र पुं (तत्.) 1. साहित्य की किसी विधा से संबंधित संरचना या ग्रंथ 2. साहित्यिक दृष्टि से आलोचना करने वाला शास्त्र, आलोचना शास्त्र 3. काव्यशास्त्र, नाट्यशास्त्र, छंदः शास्त्र आदि।

साहित्यिक वि (तत्.) 1. जो साहित्य से संबंधित हो, साहित्य का 2. साहित्य संबंधी चिंतन, लेखन, अभिव्यक्ति 3. साहित्य का विज्ञाता, विशेषज्ञ।

साहित्यिक चोरी स्त्री (तत्.+तद्.) किसी की रचना से संबंधित लेख, कविता, नाट्यांश, कथा, कहानी आदि का पूरी तरह या अंशतः अपनी पुस्तक में बिना उद्धरण दिए हुए, उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त किए बिना, अनुमति के बिना उसे अपनी मौलिक रचना का अंग बना कर प्रस्तुत करना।

साहित्यिक परिशुद्धता पुं (तत्.) किसी रचना में साहित्य के आदर्श सिद्धांतों व नियमों के अनुकूल गुणों का वैशिष्ट्य।

साहित्यिक प्रयोग पुं (तत्.) जिस शब्द का प्रयोग साहित्य के अनुरूप तो हो किंतु बोलचाल की भाषा में प्रचलित न हो।

साहित्यिक भाषा स्त्री. (तत्.) वह सरस व भावपूर्ण सौंदर्य शब्दयुक्त भाषा जो सामान्यतया जनसाधारण द्वारा बोली जाने वाली भाषा से भिन्न होती है।

साहित्यिक योगदान पुं (तत्.) साहित्यकार द्वारा साहित्य की एक या अनेक विधाओं जैसे- काव्य, अंकार ध्वनि, रस, आलोचना आदि में किया गया रचनात्मक कार्य।

साहिब पुं (अर.) साहब, स्वामी दे. साहब।

साहिबजादा पुं (अर.+फा) सुपुत्र, बड़े आदमी या अधिकारी का बेटा दे. साहबजादा।

साहिबजादी स्त्री. (अर.+फा.) सुपुत्री।

साहिबा स्त्री. (अर.) गुण, योग्यता या उत्तम व्यक्तित्व से सम्पन्न नारी के लिए प्रयुक्त किय जाने वाला सम्मान सूचक शब्द, महोरया जैसे- प्रिंसिपल साहिबा, मंत्री साहिबा।

साहिबाना वि. (अर.) अंग्रेज साहबों जैसा सार स्वरूप या व्यवहार, योरोपीय शासों जैसा (व्यवहार)।

साहिबिनी स्त्री. (अर.) साहिब की स्त्री, स्वामिनी।

साहिबी स्त्री. (अर.) साहब के समान-व्यवहारशीलता। साहब जैसी शान दिखाना।

साही स्त्री. (देश.) जंगल में स्वनिर्मित बिलों में रहने वाला एक जंतु जिसके शरीर पर नीले या काले रंग के लंबे व खड़े काँटे होते हैं, शल्यकी।

साहु पुं. (तद्.) 1. साहूकार, सेठ 2, व्यवसायी 3, सज्जन, साधु

साहुनी स्त्री. (देश.) सेठानी, धनवती, धन सम्पन्न स्त्री।

साहुरड़ा पुं. (देश.) ससुराल।

साहुल पुं. (फा.देश) समुद्र की गहराई नापने के लिए एक उपकरण जिसमें एक लंबी डोरी के अंतिम छोर पर सीसे का लट्ठ लगा होता है।

साहू पुं. (तद्.) 1. साह 2. साहूकार, महाजन 3. व्यापारी के प्रति एक सम्मानजनक बोलने का शब्द।